हमें तो देश में राम, फसलों के दाम और युवाओं को काम देने वाली सरकार चाहिए थी. देश को न तो राम मिले, न किसानों को दाम मिले और न ही युवाओं को काम मिला. –**प्रवीण तोगड़िया,** पूर्व नेता, विहिप

यह बहुत ही निराशाजनक है कि पांच साल में किये गये काम के बावजूद मुझे टिकट नहीं दिया गया. मेरे कामों के चलते इलाके की जनता व पार्टी कार्यकर्ताओं का भारी समर्थन मेरे साथ था. इसके बावजूद मेरा नाम हटा दिया गया. –**संतोष अहलावत,** भाजपा सांसद, राजस्थान

दिग्विजय लड़ेंगे भोपाल से, राहुल को केरल से न्योता

एजेंसियां ▷ नयी दिल्ली

लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा, कांग्रेस और दूसरी पार्टियों ने शनिवार को भी अपने उम्मीदवारों की सूची जारी की. वहीं, राहुल गांधी को केरल से भी चुनाव लड़ने का प्रस्ताव मिला है. हालांकि पार्टी ने उन्हें पहले ही अमेठी से चुनाव लड़ाने का एलान कर दिया है, जहां भाजपा ने कपड़ा मंत्री और अपनी तेज-तर्रार नेता स्मृति ईरानी को उम्मीदवार बनाया है. माना जा रहा है कि राहुल को अमेठी के अलावा एक और सीट से चुनाव लड़ाने पर रणनीतिक विचार चल रहा है, जिसके तहत उनके लिए दक्षिण भारत कह किसी सीट से चुनाव में उतारने का पहल की जा रही है. यह प्रस्ताव इसी का हिस्सा है. उधर, विश्व हिंदू परिषद के पूर्व नेता प्रवीण तोगड़िया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ वाराणसी सीट से चुनाव लड़ने की संभावना जतायी है और कांग्रेस के राज बब्बर की सीट बदल दी गयी है. इस लिहाज से अति महत्वपूर्ण सीटें की तस्वीरें उभरने लगी हैं.

चुनौती स्वीकारी

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह भोपाल लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे. वह कांग्रेस के ही उम्मीदवार होंगे. उन्हें पिछले दिनों सीएम कमलनाथ ने यह कहते हुए चुनौती दी थी कि दिग्विजय को इंदौर या भोपाल जैसी किसी मुश्किल सीट से चुनाव लड़ना चाहिए. गौरतलब है कि भोपाल लोकसभा सीट पर भाजपा की मजबूत पकड़ मानी जाती है. पिछले कई चुनावों में भाजपा यहां से जीतती रही है. कमलनाथ ने पिछले दिनों कहा था कि दिग्विजय सिंह को मुश्किल सीट से चुनाव लड़ना चाहिए.

दक्षिण भारत पर नजर

केरल प्रदेश कांग्रेस ने वयनाड लोकसभा सीट के लिए अपनी पार्टी के अध्यक्ष राहुल गांधी का नाम प्रस्तावित किया है. यह सीट राज्य में पार्टी का गढ़ मानी जाती है. हालांकि राहुल गांधी ने इस अनुरोध पर फिलहाल प्रतिक्रिया नहीं दी है. कांग्रेस महासचिव ओमन चांडी ने पत्तनमतिट्टा में मीडिया को यह जानकारी दी. उन्होंने कहा कि पार्टी नेता मांग कर रहे हैं कि गांधी को किसी दक्षिण भारतीय लोकसभा सीट से चुनाव लड़ना चाहिए. हमें उम्मीद है कि राहुल गांधी की इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलेगी.

पूरी से आजमायेंगे भाग्य

भाजपा ने इस बार अपने राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा की पुरी से उम्मीदवारी की घोषणा की है. पहले इस सीट से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उम्मीदवार बनाये जाने की अटकलें थी. इस लोकसभा सीट से भाजपा का अब तक कोई सांसद नहीं हुआ है. 1998 से इस सीट पर बीजू जनता दल का कब्जा है. 2014 के 16वीं लोकसभा चुनाव में यहां से बीजू जनता दल के पिनाकी मिश्रा सांसद चुने गये थे. मिश्रा उससे पहले 2009 में बीजू जनता दल और 1996 में कांग्रेस के सांसद रह चुके हैं.

बदल ली सीट

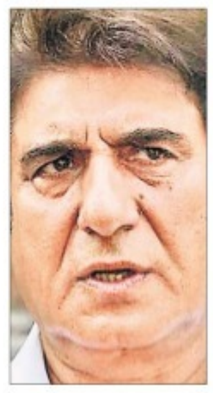

यूपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राज बब्बर अब फतेहपुर सीकरी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे. पहले मुरादाबाद सीट से कांग्रेस ने उन्हें प्रत्याशी बनाया था. बाद में उनकी सीट बदल दी गयी. कहा जा रहा है कि खुद राज बब्बर ने मुरादाबाद सीट से कदम खींच लिये. माना जा रहा है कि मुरादाबाद में उन्हें क्रिकेटर अजहरुद्दीन की तरह मुसलमानों का समर्थन मिलता या नहीं, इस पर संदेह था. पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कांग्रेस सहारनपुर, मुरादाबाद और गाजियाबाद को मजबूत मानती है. अजहरुद्दीन 2009 में कांग्रेस से सांसद चुने गये थे.

शिवसेना बोली

आडवाणी चुनाव नहीं लड़ कर भी भाजपा के सबसे बड़े नेता

मुंबई. शिवसेना ने शनिवार का कहा कि चुनाव में खड़े न होने के बावजूद लालकृष्ण आडवाणी भाजपा के सबसे बड़े नेता रहेंगे. पार्टी ने गांधीनगर सीट से भाजपा प्रमुख अमित शाह को उम्मीदवार बनाये जाने के दो दिन बाद यह टिप्पणी की. इस सीट का प्रतिनिधित्व आडवाणी करते रहे हैं. शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना के संपादकीय में कहा कि आडवाणी की जगह शाह के चुनाव लड़ने को राजनीतिक रूप से ऐसा माना जा रहा है कि भारतीय राजनीति के भीष्माचार्य को जबरन सेवानिवृत्ति दे दी गयी है.

चुनाव अपडेट

1 भाजपा की विजय संकल्प सभा 24-26 मार्च को

नयी दिल्ली. केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने शनिवार को कहा कि भाजपा पूरे देश में 24 और 26 मार्च को विजय संकल्प सभा के माध्यम से लोकसभा चुनाव अभियान का शंखनाद करेगी. भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह सहित पार्टी के सभी शीर्ष नेता देश के अलग-अलग लोकसभा क्षेत्रों में विजय संकल्प सभा को संबोधित करेंगे. अमित शाह 24 मार्च को आगरा एवं 26 मार्च को मुरादाबाद में, गृह मंत्री राजनाथ सिंह 24 मार्च को लखनऊ में और 26 मार्च को दिल्ली में, नितिन गडकरी नागपुर, सुषमा स्वराज गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद, रविशंकर प्रसाद पटना और पश्चिम बंगाल, जेपी नड्डा संभल और शाहजहांपुर, पीयूष गोयल बरेली और तमिलनाडु में जनसभा को संबोधित करेंगे. प्रकाश जावड़ेकर को भीलवाड़ा र पूणे, धर्मेंद्र प्रधान को कटक और बालासोर, स्मृति ईरानी को कानपुर और भदोही-जौनपुर तथा निर्मला सीतारमण को हैदराबाद और उडुपी की सभा की जिम्मेवारी दी गयी है.

2 महाराष्ट्र में कांग्रेस- एनसीपी में 26-22 पर बनी सहमति

मुंबई. काफी खींचतान के बाद नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस के बीच सीटों को लेकर सहमति बन गयी है. कांग्रेस 26 और एनसीपी 22 सीटों पर चुनाव लड़ेगी. दोनों अपने कोटे से दो-दो सीटें अपने सहयोगियों को भी देंगी. राज्य में लोकसभा की कुल 48 सीटें हैं. वहीं, एनसीपी प्रमुख शरद पवार इस बार चुनाव नहीं लड़ेंगे, बल्कि उसके पोते पार्थ पवार इस बार मावल सीट से चुनाव मैदान में होंगे. शरद पवार परिवार में इस बार चुनाव के साथ ही अंतर्कलह देखने को मिल रहा है. पार्थ की उम्मीदवारी से अजित पवार पार्टी पर पकड़ बनाने की कोशिश करते देखे जा रहे हैं. अगर पार्थ चुनाव जीत जाते हैं, तो दिल्ली में वह सुप्रिया सुले के समकक्ष हो जायेंगे.

3 अंतिम दौर के मतदान के बाद ही एक्जिट पोल : चुनाव आयोग

नयी दिल्ली. निर्वाचन आयोग ने मीडिया के लिए शनिवार को जारी परामर्श में कहा कि 19 मई को लोकसभा चुनावों के अंतिम चरण का मतदान पूरा होने के बाद ही एग्जिट पोल का प्रसारण किया जा सकता है. मीडिया को जारी इस परामर्श में पहली बार वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को भी शामिल किया गया है. आयोग ने कहा कि टीवी, रेडियो चैनल, केबल नेटवर्क, वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक चरण में मतदान खत्म होने से 48 घंटे पहले की अवधि में उनके द्वारा प्रसारित-प्रदर्शित कार्यक्रम की सामग्री में प्रतिभागियों के नजरिये और अपील समेत ऐसी कोई बात न हो, जिसे किसी खास पार्टी या उम्मीदवार के लिए संभावनाओं या पूर्वाग्रहों को बढ़ावा देने वाला माना जा सकता है.

4 कुमारस्वामी सीट बंटवारे पर कांग्रेस में असहमति से नाराज

बेंगलुर. कर्नाटक के मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने लोकसभा चुनाव के लिए अपनी पार्टी जद-एस के साथ सीटों के बंटवारे को लेकर कांग्रेस में असहमति होने पर शनिवार को नाराजगी जतायी. कहा कि इससे निबटना कांग्रेस का काम है. वह न तो किसी के सामने निवेदन करेंगे और न ही अपने आत्मसम्मान को ठेस लगने देंगे. तुमकुर में कांग्रेस के बागी उम्मीदवार की बावत कहा कि यह हमारी पार्टी से संबंधित मामला नहीं है. कांग्रेस ने हमारी पार्टी को आठ सीटें दी हैं. हमें आठ सीटों पर उम्मीदवार उतारने हैं. हम ऐसा करेंगे. कुमारस्वामी के पिता और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा तुमकुर से चुनाव लड़ रहे हैं. कुमारस्वामी ने कहा, हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं की वहां अच्छी संख्या है. इसलिए मैं इस बारे में चर्चा नहीं, अपना काम करूंगा.

पड़ताल. विधानसभा और लोकसभा परिणामों में रहा है दिलचस्प रिश्ता

राजस्थान में जिसकी रही सरकार लोस चुनाव में वही रहा असरदार

नेशनल कंटेंट सेल

राजस्थान के चुनावी इतिहास का एक बड़ा दिलचस्प पहलू यह रहा है कि राज्य में जिस पार्टी की सरकार रही है, लोकसभा चुनाव में यही असरदार रही है. राज्य में ढाई महीने पहले विधानसभा चुनाव हुआ. यह लोकसभा चुनाव का सेमीफाइनल माना जाता रहा है. इस चुनाव में भाजपा-कांग्रेस के बीच कड़ी टक्कर रही. जाहिर है, लोकसभा चुनाव में भी दोनों के बीच की टक्कर दिलचस्प होगी. विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 100 सीटें जीतीं और सरकार बनायी. उसे 39.3% वोट मिले, वहीं भाजपा को 38.8% वोट हासिल हुए, मगर एक नारा भी जगा था- मोदी तुझसे बैर नहीं, वसुंधरा तेरी खैर नहीं.

माना जा रहा है कि मतदाताओं की नाराजगी सीएम वसुंधरा राजे से थी. 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने पहली बार क्लीन स्वीप करते हुए राज्य की सभी 25 सीटें जीत ली थीं. ऐसा ही प्रदर्शन कांग्रेस ने 1984 में किया था. अब भाजपा के लिए मिशन-25 के तहत सभी सीटों पर स्ट्राइक करना बड़ी और कड़ी चुनौती होगी. कांग्रेस ने यहां किसी भी पार्टी से गठबंधन से मना कर दिया है. दोनों ही पार्टियां जिताऊ उम्मीदवारों के नाम तय करने और रणनीति बनाने में जुटी हैं.

जनता की शिकायत

राज्य में बेरोजगारी, पेयजल व सिंचाई के क्षेत्र में पांच वर्षों में खास बदलाव नहीं आया. औद्योगिकीकरण में भी वृद्धि नहीं हुई है. एक दर्जन से अधिक जिले फ्लोराइड से प्रभावित हैं. आधे से अधिक भूभाग पर सिंचाई के लिए किसानों को वर्षा पर ही निर्भर रहना पड़ता है.

विधानसभा चुनाव के नतीजे

कुल सीटें : 200

पार्टी	2013	2018
भाजपा	163	73
कांग्रेस	21	100
बसपा	02	06
अन्य	07	21

राज्य में लोकसभा चुनावों के नतीजे

वर्ष	कुल सीटें	परिणाम
1951	20	कांग्रेस 9, आरआरपी 3, बीजेएस 1, अन्य 7
1957	22	कांग्रेस 19, निर्दलीय 3
1962	22	कांग्रेस 14, स्वतंत्र पार्टी 3, बीजेएस 1, अन्य 4
1967	23	कांग्रेस 10, स्वतंत्र पार्टी 8, बीजेएस 3, निर्दलीय 2
1971	23	कांग्रेस 14, बीजेएस 4, स्वतंत्र पार्टी 3, निर्दलीय 2
1977	25	जनता पार्टी 24, कांग्रेस 1
1980	25	कांग्रेस 18, जेपी 4, जेपीएस 2, कांग्रेस (यू) 1
1984	25	कांग्रेस 25, भाजपा 0
1989	25	भाजपा 13, जेडी 11, सीपीआइएम 1, कांग्रेस 0
1991	25	कांग्रेस 13, भाजपा 12
1996	25	कांग्रेस 12, भाजपा 12, एआइआइसी (टी) 1
1998	25	कांग्रेस 19, भाजपा 5, एआइआइसी (एस) 1
1999	25	भाजपा 16, कांग्रेस 9
2004	25	भाजपा 21, कांग्रेस 4
2009	25	कांग्रेस 20, भाजपा 4, अन्य 1
2014	25	भाजपा

स्थानीय गुटबाजी में उलझी है कांग्रेस

प्रदेश में कांग्रेस सीएम अशोक गहलोत और प्रदेशाध्यक्ष व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के गुट में बंटी है. विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी तय करने व प्रचार अभियान से लेकर सीएम का नाम तय होने तक दोनों गुटों में विवाद दिखा. यही वजह है कि वसुंधरा सरकार के खिलाफ एंटी इनकंबेंसी को कांग्रेस पूरा भुना नहीं पायी. अब लोकसभा प्रत्याशियों को लेकर भी तनातनी है, ऐसे में कांग्रेस वांछित फायदा नहीं उठा पायेगी.

20 लाख मतदाता पहली बार डालेंगे वोट

राज्य में मतदाता सूचियों पर अभी काम जारी रहने के कारण अंतिम आंकड़ा आना बाकी है, लेकिन फरवरी तक के आंकड़ों के हिसाब से कहा जा सकता है कि इस लोकसभा चुनाव में करीब 20 लाख मतदाता पहली बार अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे. पिछली बार यह संख्या करीब 15.80 लाख थी. प्रदेश में वर्ष 2014 के मुकाबले इस बार मतदाता संख्या में 60 लाख से अधिक की वृद्धि होने का अनुमान है.

भाजपा का मुद्दा : एयर स्ट्राइक, आरक्षण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुलवामा हमले के बाद सचिन पायलट के विधानसभा क्षेत्र टोंक से चुनावी बिगुल फूंका था. वहीं बालाकोट एयर स्ट्राइक के दिन ही चुरू में रैली की. भाजपा नेता और कार्यकर्ता एयर स्ट्राइक के मुद्दे पर मतदाताओं को पार्टी के पक्ष में करने का पूरा प्रयास कर रहे हैं. वहीं, आर्थिक आधार पर आरक्षण को लेकर भी वे सवर्ण समाज को खींचने की कोशिश कर रहे हैं.

कांग्रेस का मुद्दा : किसानों की कर्जमाफी

कांग्रेस किसान कर्जमाफी, वृद्धावस्था पेंशन जैसे सामाजिक कल्याण के कामों को गिना रही है. कांग्रेस सरकार ने चुनाव से पहले किसानों की कर्जमाफी की गति बढ़ा दी है. सहकारी बैंकों से लोन लेने वाले करीब 19 लाख किसानों का 7000 करोड़ का कर्ज माफ किया जा चुका है. इसमें 50 रुपये से 3 लाख रुपये से ज्यादा तक का कर्ज लेने वाले 1007 किसान शामिल हैं. ग्रामीण क्षेत्रों में कर्जमाफी व पेंशन वृद्धि से बने माहौल को कांग्रेस अपने पक्ष में मान रही है.

टूट सकती है परंपरा

पिछले तीन परिणाम बताते हैं कि राजस्थान में जिस पार्टी की सरकार होती है, उसे लोकसभा सीटें ज्यादा मिलती हैं. हालांकि एयर स्ट्राइक से उठी राष्ट्रवाद की भावना और मोदी सरकार की योजनाओं के सहारे भाजपा यह परंपरा तोड़ने की तैयारी में है. दूसरी ओर कांग्रेस भी भाजपा से सीटें छीनने के लिए कमर कस रही है.

वसुंधरा राजे और गहलोत प्रमुख चेहरे

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे यहां भाजपा का प्रमुख चेहरा हैं. कांग्रेस में गहलोत व पायलट चुनाव प्रमुख का किरदार निभाएंगे. हालांकि भाजपा अध्यक्ष अमित शाह, मोदी, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ केंद्रीय नेता नितिन गडकरी और स्मृति ईरानी भी प्रचार की कमान संभालेंगे. कांग्रेस कार्यकर्ता राहुल गांधी के साथ प्रियंका गांधी के दौरे करवाने का भी दबाव डाल रहे हैं.

ग्रामीण इलाकों में स्थानीय मुद्दे

शहरी क्षेत्रों में राष्ट्रीय मुद्दे हावी हैं, लेकिन ग्रामीण इलाकों में अब भी स्थानीय मुद्दों पर चर्चा हो रही है. भाजपा राजस्थान के किसानों को केंद्रीय योजना का लाभ न मिलने के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहरा रही है. आरोप है कि राज्य सरकार ने केंद्र को पात्र किसानों की सूची नहीं सौंपी. वहीं, कांग्रेस शहरी मतदाताओं पर मोदी का प्रभाव कम करने के लिए, भाजपा पर सेना के राजनीतिक इस्तेमाल का आरोप लगा रही है और एयर स्ट्राइक पर सवाल भी उठा रही है.

उत्तर प्रदेश

भाजपा के और तीन नाम घोषित

लखनऊ. भाजपा ने लोकसभा चुनाव के लिए उत्तर प्रदेश से तीन और प्रत्याशियों के नामों का शनिवार को एलान किया. पार्टी ने मृगांका सिंह को इस बार टिकट नहीं दिया है. मृगांका पिछले साल मई में कैराना उपचुनाव की प्रत्याशी थीं. उन्हें रालोद की तबस्सुम हसन ने हराया था. कैराना से प्रदीप चौधरी को प्रत्याशी घोषित किया गया है.प्रदीप चौधरी गंगोह से भाजपा के विधायक हैं. पार्टी ने बुलंदशहर (अजा) सीट से भोला सिंह को दोबारा प्रत्याशी बनाया है. यशवंत नगीना (अजा) सीट से उम्मीदवार हैं. पिछली बार वह यहीं से चुनाव जीते थे.

ट्विटर/फेसबुक कोना

समझ में नहीं आता कि नरेंद्र मोदी जी किस विचारधारा पर चलना चाहते हैं। एक तरफ़ गांधी जी, भगत सिंह, सरदार पटेल, बाबासाहेब और डॉ लोहिया को अपनाने की कोशिश, तो दूसरी तरफ उनका सम्मान, जिनका इन सबने खुला विरोध किया. आपने डॉ लोहिया की 'हिंदू बनाम हिंदू' की पहली पंक्ति तो पढ़ी होगी!

- अखिलेश यादव, सपा प्रमुख

हिट्लर भी सत्ता के लिए यही करता था. हिटलर के गुंडे लोगों को पीटते थे, उनका खून करते थे और पुलिस जिन्हें मारा, उन्हीं के खिलाफ केस करती थी. मोदी जी भी ये सत्ता के लिए करवा रहे हैं, हिटलर के रास्ते चल रहे हैं, पर मोदी समर्थकों को दिखाई नहीं देता कि हमारा भारत किधर जा रहा है?

- अरविंद केजरीवाल, सीएम, दिल्ली

तिहरे हत्याकांड में सजायाफ्ता शहाबुद्दीन और बलात्कार के दोषी राजबल्लभ यादव की पत्नियों को टिकट देने का इशारा कर लालू प्रसाद ने फिर अपराधियों को सरपरस्ती देने की सियासी दबंगई दिखायी.

- सुशील मोदी, उपमुख्यमंत्री, बिहार

कार्टून कोना

दिलचस्प | आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के सबसे अमीर राजनेता हैं कांग्रेस के विश्वेश्वर रेड्डी

संपत्ति 895 करोड़ रुपये की, मगर नहीं है एक भी कार

- विश्वेश्वर रेड्डी ने हलफनामे में किया 895 करोड़ की संपत्ति का एलान
- तेलंगाना की चेवेल्ला लोकसभा सीट से कांग्रेस के कैंडिडेट हैं रेड्डी
- आंध्र के कैबिनेट मंत्री पी नारायण की संपत्ति 667 करोड़ रुपये
- चंद्रबाबू नायडू की 574 और जगन रेड्डी की संपत्ति 538 करोड़

एजेंसियां ▷ हैदराबाद

तेलंगाना की कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी ने 895 करोड़ रुपये की संपत्ति के स्वामी हैं. पांच साल में उनकी आय करीब 367 करोड़ रुपये बढ़ी है. वह तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के सबसे अमीर राजनेता हैं, मगर उनके पास अपनी एक भी कार नहीं हैं. कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी कांग्रेस के नेता हैं और उसी के टिकट पर तेलंगाना के चेवेल्ला लोकसभा सीट से उम्मीदवार हैं. चुनाव में उन्होंने 895 करोड़ रुपये की पारिवारिक संपत्ति की घोषणा की है. इस घोषणा के बाद से कोंडा दोनों तेलुगू राज्यों (तेलंगाना और आंध्र प्रदेश) में सबसे अमीर राजनेता बन गये हैं. रेड्डी के पास चल संपत्ति के रूप में 223 करोड़ की मिल्कियत है, जबकि अपोलो अस्पताल की संयुक्त

प्रबंध निदेशक उनकी पत्नी की चल संपत्ति 613 करोड़ रुपये है. वहीं, उन पर आश्रित बेटे की चल संपत्ति करीब 20 करोड़ रुपये है. रेड्डी इंजिनियर से राजनेता बने हैं. शुक्रवार को उन्होंने नामांकन पत्र के साथ दाखिल शपथपत्र में उन्होंने अपनी संपत्ति की घोषणा की है. इसके मुताबिक उनके परिवार के किसी भी सदस्य के पास न ही कार है और न ही कोई वाहन है. रेड्डी के पास 36 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति भी है, जबकि उनकी पत्नी के पास 1.81 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है. आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्राबाबू नायडू, वहां के कैबिनेट मंत्री पी नारायण और वाइएसआर कांग्रेस के प्रमुख वाइएस जगनमोहन रेड्डी से भी अमीर हैं.

2014 में थी 528 करोड़ की संपत

विश्वेश्वर ने 2014 का लोकसभा चुनाव तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के टिकट पर लड़ा था और सांसद बने थे. उस चुनाव में उन्होंने अपनी संपत्ति का जो ब्योरा हलफनामे में दिया था, उसके मुताबिक तब उनकी पारिवारिक संपत्ति 528 करोड़ की थी. यानी पांच साल में उनकी संपत्ति 367 करोड़ बढ़ी. वह पिछले साल दिसंबर में हुए विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस में शामिल हो गये थे.

पी नारायण के पास 667 करोड़ की संपत्ति

आंध्र प्रदेश के कैबिनेट मंत्री पी नारायण ने भी शुक्रवार को नेल्लोर विधानसभा सीट से अपना नामांकन दाखिल करते वक्त 667 करोड़ रुपये की संपत्ति की घोषणा की. वह नारायण ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट्स के मालिक हैं.

चंद्रबाबू नायडू के पास 574 करोड़ की प्रोपर्टी

आंध्र के मुख्यमंत्री एन चंद्राबाबू नायडू की पारिवारिक संपत्ति 574 करोड़ रुपये है. वहीं, वाइएसआर कांग्रेस के प्रमुख वाइएस जगनमोहन रेड्डी और उनकी पत्नी की संपत्ति 538 करोड़ रुपये है.